

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—जन्त 3—सप-सम्बद्ध (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

चं. 794] नई विस्ती, सोमवार, दिसम्बर 21, 1992/अग्रहायण 30 1914 No. 794] NEW DEL'II, MONDAY, DECEMBER 21, 1992/AGRAHAYANA 30, 1914

इस भाग में भिम्म पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर 1992

का.श्रा. 916(ग्र):—विधि-विरुद्ध किया कलाप (निवारण) ग्रिधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो काप्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्रपना यह मत होने पर कि ऐसा करना श्रावस्यक है, एनद्द्वारा "ग्रिधि-निरुद्व

किया कलाप (निवारण) अधिकरण' का गठन करती है जिसमें विल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री जसपाल सिंह होगे।

[सं. 8/13/92-एन.ई.-I] बाल्मीिक प्रसाद सिंह, संयुक्त सिंचव

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 21st December, 1992

S.O. 916(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Justice Jaspal Singh, Judge of the Delhi High Court.

[F. No. 8|13|92-NE. 1]B. P. SINGH, Jt. Secy.